संख्या-137/2025/309के-2/22-3-2024-17(456)/2020

प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3 लखनऊः दिनांक 08 मई, 2025

विषयः-जिला कारागार, रामपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी राजवीर पुत्र श्री किशनलाल, निवासी जनपद-रामपुर की दया याचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप महानिरीक्षक (मु0), कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या-30216/प्रोबे0-5-दया0/बैठक दिनांक 16.09.2024, दिनांक 07.10.2024 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, रामपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी राजवीर पुत्र श्री किशनलाल, निवासी-अफजलपुर पटटी, थाना-शहजादनगर, जनपद-रामपुर का निवासी है। जुआ खेलने के लिए मना करने पर दिनांक 08-02-2003 को बन्दी ने 04 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर फायर करके 01 व्यक्ति की हत्या कारित की गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-98/2004 में भा0द0वि0 की धारा-147, 148, 302/34 व 25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (एस0सी0/एस0टी0 एक्ट) त्वरित न्यायालय सं0-1, रामपुर के आदेश दिनांक 04.08.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। जिसकी अपील मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश दिनांक 08-01-2019 एवं मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश दिनांक 05-08-2019 द्वारा निर्णीत करते हुए आजीवन कारावास की सजा को यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 20.06.2024 तक 15 वर्ष 03 माह 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष 04 माह 02 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। पुलिस अधीक्षक, रामपुर द्वारा बंदी द्वारा कारित अपराध गम्भीर श्रेणी का अपराध होने, समयपूर्व मुक्ति पर अपराध करने की सम्भावना होने, समयपूर्व रिहा किया गया तो उसके साथ कोई घटना होने की सम्भावना होने के दृष्टिगत समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है तथा जिला मजिस्ट्रेट, रामपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक, रामपुर की आख्या से सहमत होते हुए सिद्धदोष बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी की 45 वर्ष की आयु, बन्दी द्वारा कारित अपराध की प्रकृति (जुआ खेलने से मना करने पर हत्या) एवं 01 अन्य वाद में भी दण्डित होने से बंदी के अपराधी किस्म का परिलक्षित होने तथा पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, गाजीपुर द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किए जाने के दृष्टिगत, सभी बिन्दुओं पर सम्यक् विचारोपरान्त बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, रामपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी राजवीर पुत्र (बन्दी संख्या-204/2009) पुत्र श्री किशनलाल, जनपद-रामपुर की भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या-137/2025/309के-2/22-3-2024 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, रामपुर।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, रामपुर।

3- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को को मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में दिनांक 10.09.2024 को पारित आदेशों के सन्दर्भ में।

4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।

5- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।

6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2

7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
अनीस अख्तर अंसारी
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।